नौकरी में मिली छोकरी

प्रेषक : भावेश

मैं भावेश, गुजरात का रहने वाला हूँ, अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ, मेरी उम्र 23 साल है। मैं आपको अपने जीवन की सच्ची कहानी बता रहा हूँ।

दोस्तो, मैं सिविल इंजिनियर हूँ। मैं रोज अपने घर से कंपनी जाने की लिए बस लेता हूँ। मेरे घर से कंपनी का रास्ता एक घंटे का है। बस में कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों की भीड़ रहती है। एक दिन मैं जब कंपनी जा रहा था, मेरी बगल वाली सीट खाली थी। मैं सोया हुआ था। थोड़ी देर बाद जब मेरी आँख खुली तो मैं देखता ही रह गया। मेरी बाजू में एक लड़की बैठी थी।

क्या सुन्दर लड़की थी !

मैंने आज तक ऐसी लड़की देखी ही नहीं थी। मैंने उसे पूछ लिया - आप क्या करती हो। बस यहाँ से हमारी बात शुरु हो गई।

फिर तो मैं रोज अपने बाजू वाली सीट उसके लिए खाली रखने लगा। हम रोज मिलते थे और बात करते थे। एक बार उसने मेरा मोबाइल मांगा तो मैंने उसे अपना फ़ोन दे दिया। वो अन्दर देखने लगी। अन्दर देखते देखते उसने मेरे गर्म वीडियो देख लिए और वो उन्हें चला कर देखने लगी।

मैंने उससे झट फ़ोन ले लिया, मैंने उसे कहा - तुम्हें ये देखने हैं तो मेरे साथ चलना पड़ेगा।

तो वो मान गई।

फिर दूसरे दिन मैंने उसे फ़ोन करके एक होटल में बुलाया। तो वो आ गई, हम होटल के कमरे में गए। फिर थोड़ी देर उसने वो ब्लू फिल्म देखी। वो फिल्म देखते देखते बहुत गर्म हो गई थी। मैं उसके बाजू में ही बैठा था और उसका एक हाथ मेरे लण्ड पर था।

वो इतनी गर्म हो चुकी थी कि उसे रहा नहीं गया और फ़ोन साइड में रख कर वो मेरा लण्ड मेरी पैंट से निकाल कर जोर से चूसने लगी। फिर मैंने अपने कपड़े उतार दिए और उसने अपने कपड़े भी उतार दिए।

उसे देखकर मेरे तो होश उड़ गए, क्या क़यामत लग रही थी ! उसकी चूत पर एक भी बाल नहीं था।

मैंने झट से उसे अपनी बाहों में लिया और उसे चूमने लगा। करीब 15 मिनट तक मैं उसे चूमता रहा, उसी दौरान मैंने उसकी चूत में उंगली डाल दी।

वो मारे दर्द के चिल्ला उठी।

फिर मैंने उसके चूचों को चूसा और दबाया। क्या वक्ष थे उसके ! मैंने आज तक इसके जैसे स्तन देखे नहीं थे।

Copyright © Indian Porn Empire - 2011. All Rights Reserved.

धीरे धीरे मैं नीचे तक आया और मैं उसकी चूत में जीभ डाल कर चूसने लगा, वो सीत्कार कर रही थी। मैं जोर से उसकी चूत चूसने लगा तो वो चिल्लाने लगी और उसने मेरे बाल पकड़ लिए और मेरे मुँह में झड़ गई।

फिर मैं उठा और उसकी चूत पर अपना लण्ड रखा।

वो तड़प उठी और बोलने लगी- और मत तड़पाओ जानेमन ! जल्दी डालो और फाड़ दो मेरी चूत। आज इस चूत का भोंसड़ा बना दो।

मैंने देर न करते हुए एक ही बार में अपना पूरा लंड अन्दर घुसा दिया। वो चीख उठी और मुझे गाली देने लगी- भोंसड़ी के निकाल ! दर्द हो रहा है।

मैंने कहा- बहुत उछल रही थी? आज तो भोंसड़ा बना कर ही रहूँगा तेरी चूत का।

फिर मैं अपना लण्ड आगे-पीछे करने लगा। थोड़ी देर में वो भी अपनी गाण्ड उछाल उछाल कर मेरा साथ देने लगी। वो चिल्ला रही थी- उई माँ ! मर गई ! डाल साले ! मार दे आज ! ओह ओह ओह !! साथ में गाली भी दे रही थी, मुझे बहुत मजा आ रहा था।

करीब आधे घंटे की चुदाई के बाद मैं झड़ने वाला था, उसी बीच में वो दो बार झड़ चुकी थी। मैंने जोर से झटका लगाया और वीर्य की धार उसकी चूत में छोड़ दी।

और एक झटका और एक और धार।

वो बहुत खुश थी, वो बोली - अब जब भी मैं चुदना चाहूँगी तो तुमसे ही चुदवाऊँगी।

उसे मैंने उस दिन चार बार चोदा और उसकी गांड भी मारी।

कैसे मारी उसकी गाण्ड , यह भी जान लो !

चुदाई करवा कर जब वो अपनी चूत धोने क लिए बाथरूम में गई तो थोड़ी देर के बाद मैं भी अन्दर गया उसके पीछे। वहाँ वो अपनी चूत को पानी से धो रही थी, मैंने उसे पीछे से जाकर एकदम से पकड़ लिया और जोर से उसके चूचों को मसल दिया। वो मेरे होंठों को चूमने लगी। मैंने बाथरूम का फव्वारा चालू कर दिया और हम जैसे बारिश में चुम्बन कर रहे हों, ऐसा अहसास होने लगा।

फिर मैंने उसे बाथटब में लिटाया और उसे चूमने लगा तो वो बहुत गर्म हो चुकी थी। फिर मैं धीरे से उसके वक्ष पर आया और जोर से उसे चूसने लगा। मैं चूसने के साथ उसके स्तनाग्र को भी काट लेता था। वो सिसकार कर रह लेती थी।

फिर मैं उसकी चूत पर आया और जीभ डाल कर चूसने लगा। वो सिसकारियाँ भरने लगी और मुझे गाली देने लगी- चूस साले और जोर से चूस ! आज इस चूत को चूस चूस के बेहाल कर दे साले।

मैं और जोर से चूसने लगा। कभी वो मेरे बालों को खींच लेती थी, वो चिल्लाने लगी और कहने लगी- जान अब मत तड़पाओ ! डाल दो अन्दर और चूत का भोंसड़ा बना दो ! अब नहीं रहा जाता ! आह आःह आःह

Copyright © Indian Porn Empire - 2011. All Rights Reserved.

मैं और जोर से चूसने लगा और वो झड़ गई मैं उसका सारा रस पी गया। अब मेरी बारी थी उसे लौड़ा चुसवाने की !

मैं खड़ा हो गया और उसके मुँह में लण्ड डाल दिया। वो मेरा लण्ड चूसने लगी, उसे मजा आ रहा था, वो बोलने लगी- जान, तुम्हारे जैसा लण्ड मैंने आज तक नहीं चखा ! तुम्हारा लण्ड तो लॉलीपोप की तरह है।

मैं अपना लौड़ा जोर से उसके मुँह में अन्दर-बाहर करने लगा। वो मेरा लौड़ा बहुत जोर से चूस रही थी, कभी उस पर थूक लगाती और उसे चाटती। फिर मैंने अपना लौड़ा उसके मुँह में से निकाला और उसे घोड़ी बना लिया। फिर मैंने उसकी गाण्ड में अपना लण्ड डाल दिया और वो चीख उठी। फिर मैं अपना लण्ड अन्दर-बाहर करने लगा।

थोड़ी देर बाद वो भी अपनी गाण्ड पीछे धकेल कर मेरा साथ देने लगी। मैं उसे जोर से चोद रहा था वो सिसकारियाँ भरती रही। उसके मुँह से आवाज आने लगी- आः आःह आअह उय माँ आह धीरे चोद भड़वे आह उफ़ उफ़ आह आह आह ऊय माँ मर गई साले कुत्ते मार डालेगा क्या आह उहह आह !!

मैं जोर जोर से उसे चोदने लगा, मैं भी बोला- क्यों साली ! बहुत दिनों के बाद हाथ में आई है, अब कैसे छोड़ सकता हूँ साली ! तेरा बदन तो जन्नत है डार्लिंग ! आह !

मैं भी जोर जोर से झटके मारने लगा। वो बहुत चिल्लाई पर मैंने उसकी एक ना सुनी, मैं उसे चदता रहा !!

करीब 20 मिनट चोदने में वो तीन बार झड़ चुकी थी।

अब मेरा पानी निकलने वाला था मैंने उसको सीधा किया और उसके चूचों के बीच में लण्ड घुसाकर चोदने लगा। करीब पाँच मिनट की वक्ष-चुदाई के बाद मैंने अपना वीर्य उसके मुँह में छोड़ दिया।

वो मेरा सारा वीर्य चाट गई।

दोस्तो, मेरी कहानी कैसी लगी, जरूर बताएँ।

bhaveshkotecha11@gmail.com

Copyright © Indian Porn Empire - 2011. All Rights Reserved.